बौद्ध दुनिया की प्रार्थना मार्गदर्शिका

प्रार्थना के 21 दिन

2023 संस्करण

चीन पर विशेष ध्यान

बौद्ध धर्म के लिए प्रार्थना में
दुनिया भर के मसीहियो से जुड़े।

स्वागत है।

21 दिन के बौद्ध विश्व प्रार्थना गाइड में।

"प्रयत्न करने में आलसी न हा; आत्मिक उन्माद में भरे रहो; प्रभु की सेवा करते रहो। आशा के विषय में, आनन्दितये; क्लेश के विषय में, धैर्य रखे; प्रार्थना के विषय में, स्थिर रहें। रोमियों 12:11-12

प्रेरित पौलुस की और से दी गई चेतावनी 2022 में आसानी से लिखी जा सकती थी। कोरोना से महामारी, यूक्रेन में युद्ध, दुनियाभर में मसीही लोगो का सताया जाना, आर्थिक मंदी; ऐसे हालातो में हार कर कहना आसान है कि, "एक व्यक्ति क्या कर सकता है?"

प्रेरित पौलुस इसका सही उत्तर देते है कि परमेश्वर के वचन पर ध्यान केंद्रित करना, आशा करना कि वह जवाब देगा, और प्रार्थना में निरंतर बने रहना।

इस गाइड के माध्यम से हम आपका स्वागत करते है पूरे विश्व में रह रहे 100 करोड़ बौद्ध लोगो के लिए प्रार्थना में के वह प्रभु येशू को जान जाए। 2 जनवरी 2023 से आप हर आप इन लोगो के बारे और इनके प्रभाव के बारे में कुछ नया सीखेंगे।

इस वर्ष का विशेष ध्यान चीन देश पर है। गाइड का समापन 22 जनवरी है, जो के चीनी नव वर्ष है। हमने चीन के सबसे बड़े आठ शहरों का चुनाव किया है, और उस शहर के भीतर एक विशिष्ट जातीय समूह के लिए प्रार्थना करेगे।

बौद्ध विश्व प्रार्थना गाइड आठ भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है और दुनिया भर में 1000 से अधिक प्रार्थना नेटवर्क के माध्यम से वितरित किया गया है। आप 20 लाख मसिहियो के साथ मिलकर बौद्ध लोगो के लिए प्रार्थना में मध्यस्थता करेगे।

हम आपके साथ जुड़ने के लिए आपका स्वागत करते हैं, "आनंद में आशा करना" और "प्रार्थना में नित्य बने रहना।"

यीशु ही प्रभु है!

यह प्रार्थना गाइड जागृति का निमंत्रण है।

"यीशु ने कहा, "पत्थर को उठाओ।" उस मरे हुए की बहन मार्था उससे कहने लगी, "हे प्रभु, उसमें से अब तो दुर्गन्ध आती है, क्योंकि उसे मरे चार दिन हो गए।" यीशु ने उससे कहा, "क्या मैंने तुझ से न कहा था कि यदि तू विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी।"

यूहन्ना 11:39-40

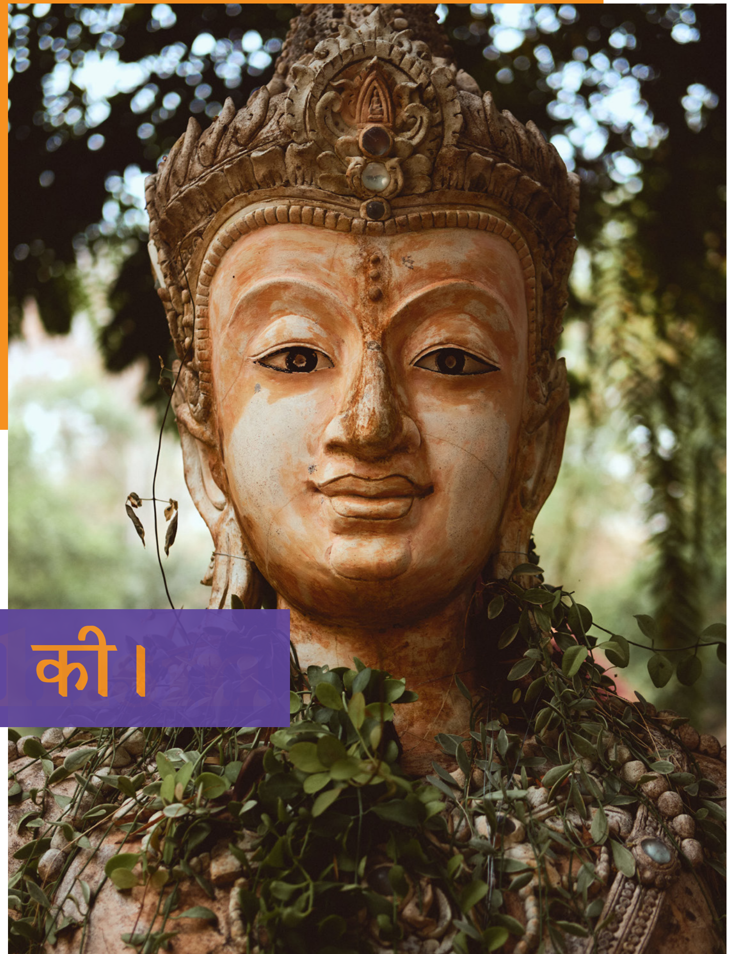

शुरुवात

बुद्ध धर्म की।

राजकुमार गौतम का जन्म छठी शताब्दी ईसा पूर्व में आधुनिक नेपाल के दक्षिणी भाग में हुआ था। उनके शरीर पर निशान देखकर यह कहा गया कि वह एक विश्व शासक बनेंगे और एक प्रबुद्ध होंगे। उनके पिता, चाहते थे कि गौतम एक महान शासक बने, इसलिए उन्होंने उनकी परवरिश में कोई कमी नहीं छोड़ी।

29 साल की उम्र में, गौतम की महल के बाहर की कष्ट भरी दुनिया से सामना हुआ। परिणामस्वरूप उन्होंने छह साल तक इस कष्ट की समस्या के समाधान की तलाश में बिताए। व्यर्थ में उन्होंने अंतर्दृष्टि की उम्मीद करते हुए विभिन्न ध्यान तकनीकों की कोशिश की। अंत में, उन्होंने एक बोधि के पेड़ के नीचे बैठने का संकल्प लिया जब तक कि वह अपने द्वारा मांगी गई आत्मज्ञान प्राप्त नहीं कर लेते। हालांकि मारा (दुष्ट) से उनकी परीक्षा हुई, पर अंत में उन्होंने उस पर जय पा ली और वह हासिल कर लिया जिससे वह सर्वोच्च सत्य मानते थे। इस वृत्तांत के बाद से उन्हे “बुद्ध” कहा जाने लगा, जिसका अर्थ है “जागृत हुआ” या ” एक प्रबुद्ध”।

लगातार जारी रखा

बुद्ध धर्म

बुद्ध का शिक्षण (जिसे धर्म कहा जाता है*)

बुद्ध ने आत्मज्ञान की तलाश में अपने मूल साथियों को पाया और उन्हें अपना पहला उपदेश दिया। अधिकांश धर्मों की तरह यहां कोई सर्वोच्च देवता शामिल नहीं था। इसके बजाय उन्होंने “चार महान सत्य” को रेखांकित किया:

1. **जीवन कष्टों से भरा है।**
2. **अज्ञानता और इच्छा से पीड़ा उत्पन्न होती है।**
3. **पीड़ा केवल अज्ञानता और इच्छा को खत्म कर नष्ट हो सकती है।**
4. **अज्ञानता और इच्छा को समाप्त करने का तरीका “मध्य मार्ग” या “महान आठ गुना पथ” के माध्यम से है।**

बुद्धा के अनुसार “पीड़ा” हमारे अभिलाषाओं को पाने की इच्छा और उससे पाने के प्रयत्न से उत्पन्न होती है, जो हम सभी को मृत्यु और पुनर्जन्म की चल रही प्रक्रिया में में ले जाता है, जहां सब कुछ, यहां तक की एक व्यक्ति का अस्तित्व अनस्थिर और एक भ्रम है। पुनर्जन्म के उस अंतहीन चक्र को बंद करने का एकमात्र तरीका “मध्य पथ” पर चलना है, पुनर्जन्म के चक्र से बचने के लिए सही समझ, विचार, भाषण, आचरण, आजीविका, प्रयास, साकारात्मिकता और अंत में सही एकाग्रता के साथ रहना। अंत–लक्ष्य ईश्वर के साथ मेल नहीं, बल्कि–जैसे कि एक मोमबत्ती की लौ को बुझाया जाता है–एक ऐसी अवस्था जहां लालसा समाप्त हो जाती है।

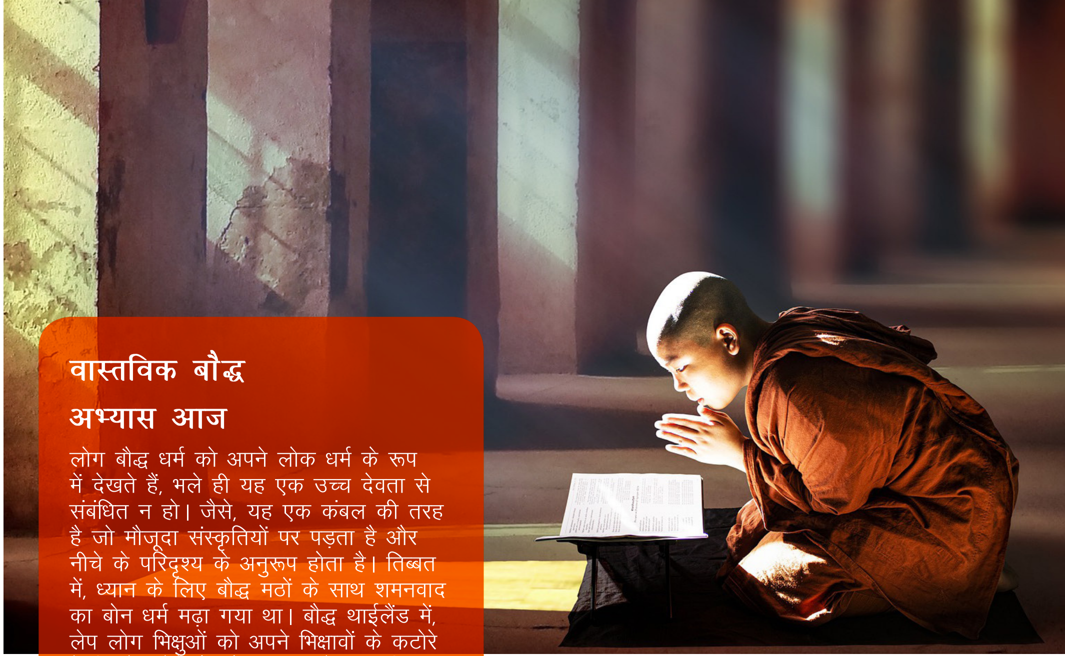

वास्तविक बौद्ध अभ्यास आज

लोग बौद्ध धर्म को अपने लोक धर्म के रूप में देखते हैं, भले ही यह एक उच्च देवता से संबंधित न हो। जैसे, यह एक कंबल की तरह है जो मौजूदा संस्कृतियों पर पड़ता है और नीचे के परिदृश्य के अनुरूप होता है। तिब्बत में, ध्यान के लिए बौद्ध मठों के साथ शमनवाद का बोन धर्म मढ़ा गया था। बौद्ध थाईलैंड में, लेप लोग भिक्षुओं को अपने भिक्षावों के कटोरे में सिगरेट देते हैं; बौद्ध भूटान में, हालांकि, धूम्रपान एक पाप है। थाई बौद्ध परिषद सख्ती से महिलाओं के समन्वय को रोकती है और महिलाओं को मंदिर के मैदान के अंदर पवित्र स्थानों में प्रवेश करने से मना करती है, फिर भी नेपाल और इंग्लैंड महिला भिक्षुओं को सूचित करती है। कंबोडियन बौद्धों ने पर्यावरण की देखभाल के संबंध में मंदिर में कोई चर्चा नहीं की है, जबकि पश्चिमी बौद्धों ने धर्म के अपने अभ्यास में पर्यावरणीय सक्रियता को शामिल किया है।

** स्पष्टता के लिए, यह गाइड पाली वर्तनी के बजाय बौद्ध शब्दों की संस्कृत वर्तनी का अनुसरण करता है। धर्म संस्कृत की वर्तनी है; पाली वर्तनी धामा होगा।*

बुद्ध धर्म

बौद्ध धर्म की तीन प्रमुख धाराएँ हैं: थेरवाड़ा, महायान और तिब्बती।

थेरवाड़ा बौद्ध

धर्म श्रीलंका से उभरा, जहां बुद्ध के उपदेशों और शिक्षाओं को सबसे पहले घोषित किया गया था। यह व्यक्तिगत ध्यान और अच्छे कर्मों के माध्यम से प्रबुद्धता की प्राप्ति पर केंद्रित है। म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया और लाओस इस परंपरा का पालन करते हैं।

महायान बौद्ध

धर्म बुद्ध के लिए जिम्मेदार ग्रंथों के आधार पर उभरा, जिसने सिखाया कि एक बोधिसत्व, या प्रबुद्ध होने के नाते, निर्वाण (मुक्ति का अंतिम आध्यात्मिक लक्ष्य) में प्रवेश करने में देरी करने का विकल्प चुन सकता है ताकि अन्य भावुक प्राणियों को उनके कर्म पीड़ा (एक व्यक्ति के अतीत के कर्मों के आधार पर) दिया जा सके। बौद्ध धर्म की यह धारा पारंपरिक रूप से चीन, जापान, वियतनाम और कोरियाई प्रायद्वीप में अभ्यास की गई थी।

तिब्बती बौद्ध

धर्म भारत में छठी शताब्दी में, अनुष्ठान प्रथाओं के माध्यम से आत्मज्ञान को तेज करने और स्वर्गीय बोधिसत्वस की कल्पना करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ हुआ था। हाल के वर्षों में पश्चिमी लोगों ने बौद्ध धर्म के विभिन्न रूपों को अपनाया है जो मुख्य रूप से आंतरिक शांति की खोज पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कुछ थेरवाड़ा मठों में शामिल हो गए हैं, ध्यान के माध्यम से आध्यात्मिक शुद्धिकरण की मांग करते हैं और आचरण के पांच बुनियादी नियमों का पालन करते हैं। दूसरों ने खुद को एक तिब्बती लामा (भिक्षु) के लिए प्रतिबद्ध किया है, तिब्बती ग्रंथों का अध्ययन किया है और जप सीखना है। फिर भी अन्य लोग एक पश्चिमी रूप का पालन करते हैं जो बौद्ध धर्म की पश्चिमी धारणाओं के साथ एशियाई परंपराओं को मिलाता है। वह अक्सर अपने पिछले व्यवसायों में जारी रखते हैं और रोजमर्रा के कपड़े पहनते हैं, लेकिन ध्यान में समय बिताते हैं और बुद्ध बैठको में भाग लेते हैं।

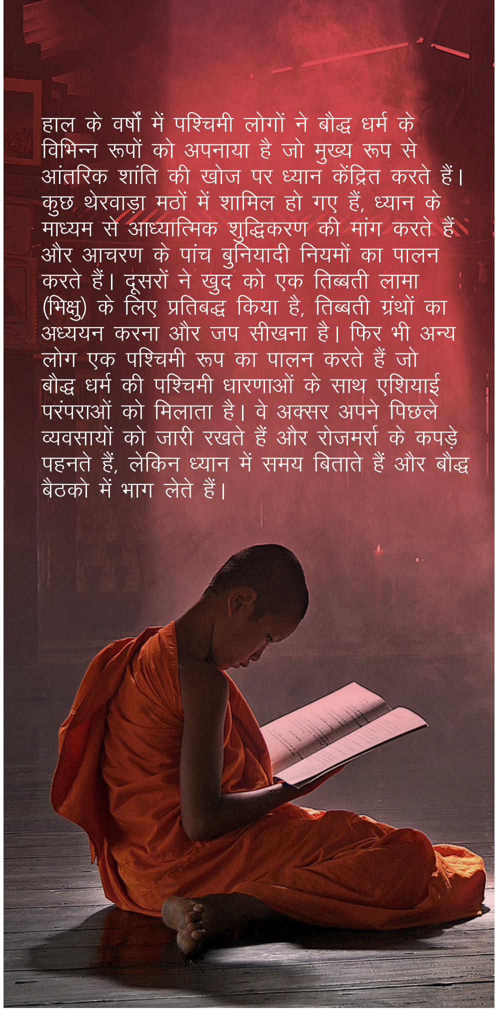

1,000,000 से अधिक बुद्ध लोग

देश	देश जनसंख्या 2020	बौद्ध जनसंख्या 2020	प्रतिशत 2020
चीन	1,439,324,000	228,117,000	15.8%
जापान	126,476,000	70,539,000	55.8%
थाईलैंड	69,800,000	60,846,000	87.2%
वियतनाम	97,339,000	47,334,000	48.6%
म्यांमार	54,410,000	40,469,000	74.4%
श्रीलंका	21,413,000	21,413,000	68.0%
कंबोडिया	1,6719,000	14,380,000	86.0%
दक्षिण कोरिया	51,269,000	12,637,000	24.6%
भारत	1,380,004,000	9,799,000	0.7%

देश	देश जनसंख्या 2020	बौद्ध जनसंख्या 2020	प्रतिशत 2020
ताइवान	23,817,000	6,304,000	36.5&
अमेरिका	331,003,000	4,300,000	1.3%
लाओस	7,276,000	3,815,000	52.4%
नेपाल	29,137,000	3,546,000	12.2%
इंडोनेशिया	273,524,000	2,185,000	0.8%
मंगोलिया	3,278,000	1,906,000	58.1%
मलेशिया	32,366,000	1,712,000	5.3%
बांग्लादेश	164,689,000	1,182,000	0.7%
हांगकांग	7,497,000	1,170,000	15.6%

डेटा स्रोतः टॉड एम जॉनसन और ब्रायन जे.ग्रिम, एड। वर्ल्ड रिलिजन डेटाबेस (लीडेन/बोस्टन : ब्रिल, अक्टूबर 2022 को एक्सेस किया गया)

दुनिया भर में बौद्ध लोग

देश की आबादी के बौद्धों के उल्लेखनीय प्रतिशत वाले शहर।

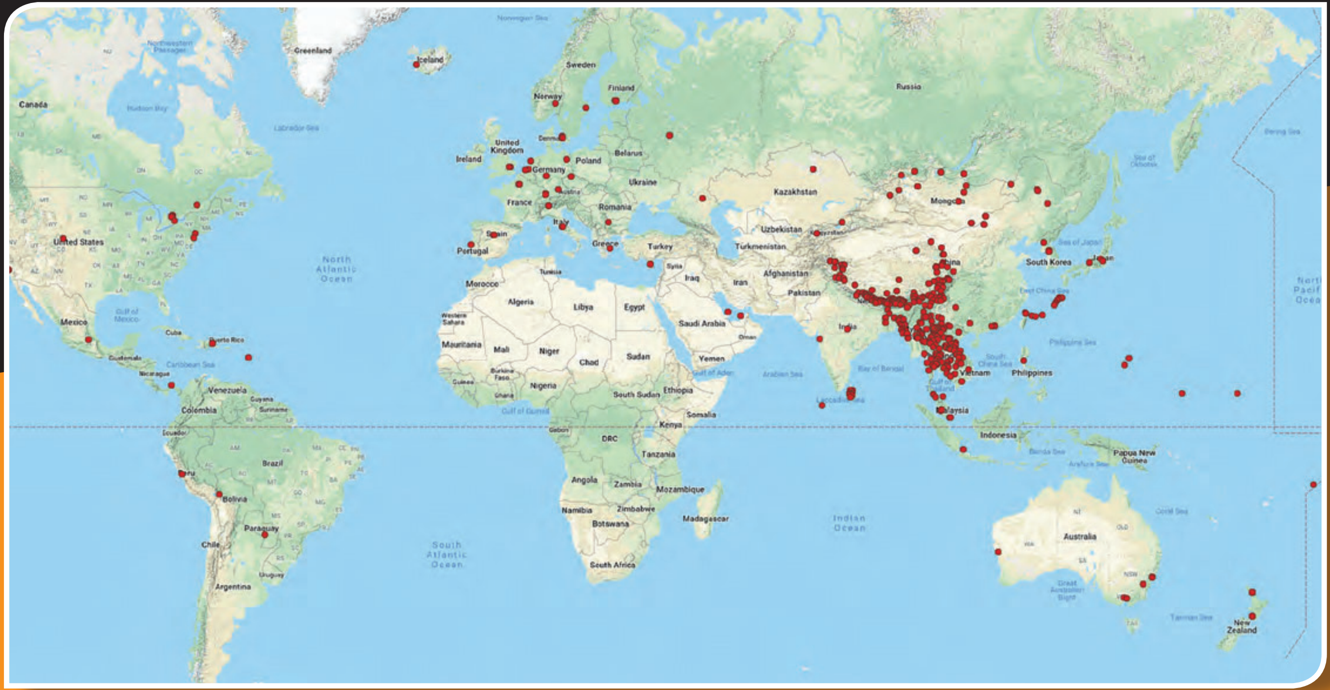

2 जनवरी

मंगोलिया

बौद्ध धर्म मंगोलिया का “आधिकारिक” धर्म है, जो लगभग 60% लोगों द्वारा अपनाया गया है। मंगोलिया का तिब्बती बौद्ध धर्म के साथ घनिष्ठ संबंध 500 से अधिक वर्षों पुराना है।

1939 के कम्युनिस्ट आक्रमण ने लगभग बौद्ध धर्म को मिटा दिया था, मंदिरों को नष्ट कर दिया और भिक्षुओं को मार डाला था। 1990 तक केवल एक ही मठ और उसमे 100 भिक्षुओं (लामा) रह गए थे।

अधिकांश मंगोलियाई चीन में सीमा पार रहते हैं। शराब की लत यहां एक गंभीर समस्या है, क्योंकि चीन उन्हे एक जातीय अल्पसंख्यक के रूप में सही नही मानता। परिवारों के भीतर दुर्व्यवहार और एक उच्च तलाक की दर उनके अलगाव की भावना को और भी गहरा कर देती है।

समकालीन धार्मिक प्रथा में बुद्ध की मूर्तियों की पूजा शामिल है। यहां यह विश्वास किया जाता है कि जितनी अधिक महंगी प्रतिमा आप खरीदेगे आप उतनी ही अधिक सुरक्षा और अनुग्रह को पाते है। इस दिव्य सहायता को प्राप्त करने में विफलता को “सस्ते प्रतिमा” के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है या बुराई को दूर करने और सौभाग्य लाने के लिए आवश्यक वार्षिक अनुष्ठानों को ठीक से न कर पाना विफलता का कारण ठहराया जाता है।

मंगोलियाई पूजा की एक और विशेषता है एनिमिज। मनुष्य और प्रकृति के बीच संबंध मौलिक हैय पेड़ों, पहाड़ों और जानवरों को पवित्र माना जाता है। इस पूजा में धूप बत्ती का इस्तेमाल किया जाता है। मंदिरों “धन्य सिलोफन पट्टी” लोगो को देती है और उसे दुर्घटनाओं से बचाने के लिए कार की खिड़कियों पर लगाया जाता है।

> “भूत–देवताओं का पीछा न करें। उनका कोई अस्तित्व नहीं। वे आपकी मदद नहीं कर सकते वे केवल भूत–देवता है और कुछ नहीं!”
>
> 1 शमूएल 12:21

मनुष्य और प्रकृति के बीच संबंध मौलिक है; पेड़ों, पहाड़ों और जानवरों को पवित्र माना जाता है।

प्रार्थना विष्य:

- यहां का मसीही समुदाय (आबादी का 3%) अपने विश्वास का प्रचार करने के लिए बेदार हो।
- प्रार्थना करें कि शैक्षिक अवसरों को मंगोलियाई बच्चों के लिए बढ़ाया जाएगा, और बाल श्रम खत्म हो।
- शराब से छुटकारा और परिवारों की बहाली के लिए प्रार्थना करे।
- शमनवादी और गुप्त प्रथाओं से मुक्ति के लिए प्रार्थना करें

3 जनवरी

जापान

"सारी पृथ्वी मसीह का अंगीकार करेंगी और उसके पास वापिस लौट आएगी। सब देशों के परिवार मसीह के आगे घुटने टेकेंगे।"

भजन संहिता 22:27

जापान को पारंपरिक रूप से एक बौद्ध राष्ट्र के रूप में वर्गीकृत किया गया है, पर उन्होंने अब बौद्ध धर्म के अलावा गैर बौद्ध शिक्षाओं को भी अपना लिया है। कुछ प्रथाओं को जारी रखा गया है जैसे के पैतृक कब्रों का दौरा करना और उनकी देख रेख करना, गुड लक दागा पहनना, और स्थानीय बौद्ध मंदिर में जन्म दर्ज करना।

फिर भी अधिकांश जापानी नागरिक, विशेष रूप से 50 वर्ष से कम उम्र के, किसी भी धर्म के अनुयायियों के रूप में पहचान नहीं करते हैं। जापान के ऊंचे मुकाबले के समाज में धार्मिक होना कमजोरी के रूप में देखा जाता है। कुछ ने जापान को "नैतिक मूल्यों के बिना एक महाशक्ति" कहा है।

इस विरक्ति का एक परिणाम है उच्च आत्महत्या दर, खासकर युवा लोगों के बीच। प्रत्येक वर्ष 30,000 से अधिक जवान अपनी जान लेते हैं।

कई जापानी शिंटोवाद, बौद्ध धर्म, गुप्त या एनिमिस्टिक प्रथाओं के मिश्रण को अपने ष्व्यक्तिगत विश्वासष् को विकसित कर अपने लिए एक खुद का धर्म बना लेते है बिना अंतर्विरोध की चिंता करते हुए। उनका प्रमुख विश्वास इस बात पर है कि भगवान हर जगह हैं, पत्थरों, पेड़ों, बादलों, घास, आदि में।

क्योंकि जापान में बहुत कम मसीही लोग हैं, इसलिए वहा बाइबल और अन्य विश्वास संबंधी किताबों का मिलना कठिन है। वहा अभी के मौजूदा सेवक बुजुर्ग हैं, और अन्य सेवकों के कमी के कारण वह अपने पास्टर के पद से सेवानिवृत्त नहीं कर सकते क्योंकि उनकी कलीसिया को संभालने के लिए कोई नहीं है।

जापान में अधिकांश मसीही समुदाय में शामिल महिलाएं हैं। वहा पुरुष ज्यादा घंटे काम करने के कारण धार्मिक बातो को समय नहीं दे पाते। इसलिए पुरुषों के पास धर्म के लिए समय नहीं होता। यह एक आत्म–सुदृढ़ समस्या बन जाती है जिसके कारण चर्च में कुछ मसीही भाई इस जूठी शिक्षा को मानते है कि चर्च मुख्य रूप से महिलाओं के लिए जगह है।

> **"**
>
> **इस विश्वास प्रणाली में ठोस जोर इन बातो पर दिया गया है के भगवान हर जगह, पत्थरों, पेड़, बादलों, घास, आदि में है।**

प्रार्थना विष्य:

- दुनिया की सबसे कम जन्म दर और उच्चतम जीवन प्रत्याशा के साथ, जापान में तेजी से बूढ़े लोगो की आबादी बड़ रही है। प्रार्थना करे के प्रभु अधिक मसीही नर्सिंग होम खुलने के लिए रास्तों को खोले, और अन्य देशों से मसीही स्वास्थ्य कर्मी उन खाली पदों को भरे।
- प्रार्थना करे की प्रभु धोखे की आत्मा को वहा से हटाए जिसने लोगो को जूठी आराधना में फसा कर रखा है।
- प्रार्थना करें के प्रभु जापान में नई पीढ़ी को मसीही अगुओ के रूप में खड़ा करे।

4 जनवरी

वियतनाम

"उसने सब कुछ ऐसा बनाया कि अपने–अपने समय पर वे सुन्दर होते हैं; फिर उसने मनुष्यों के मन में अनादि–अनन्तकाल का ज्ञान उत्पन्न किया है, तो भी जो काम परमेश्वर ने किया है, वह आदि से अन्त तक मनुष्य समझ नहीं सकता।"

सभोपदेशक 3:11

वियतनाम दुनिया के चंद साम्यवादी देशों में से एक है। हालांकि अर्थव्यवस्था ने अपने विकास को बढ़ावा देने के लिए पूंजीवादी सिद्धांतों को एकीकृत किया है, लेकिन अधिकांश आबादी अभी भी निरंतर उत्पीड़न और सामाजिक समस्याओं से पीड़ित है।

आत्मिक रूप से वियतनामी लोग अभी भी पूर्वजों की पूजा करते है और साथ ही साथ एक आध्यात्मिक मिश्रण पर विश्वास रखते है जिसमें बौद्ध धर्म, ताओवाद और कन्फ्यूशीवाद शामिल हैं। देश जैसे जैसे अधिक समृद्ध हो गया है, मध्यम वर्ग के लोग बढ़ रहे है जो पदार्थवाद को अपना रहे है।

फिर भी बीते सालों के सताव के बावजूद कलिसिया गवाह के रूप में बढ़ रही है। कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट दोनों चर्चो में सुसमाचार प्रचार करने का दर्शन बढ़ रहा है। गौरतलब है कि वियतनाम में 119 अलग–अलग जातिय समूह हैं और कलीसिया इनमे से काफी समूहों के बीच सेवा का काम कर रहा है।

विश्व भर में रह रहे वियतनामी लोग विश्वास में आ रहे है और सुसमाचार को वियतनाम वापिस ला रहे है। चूंकि वे देश के रीति–रिवाजों और धार्मिक परंपराओं से परिचित हैं, इसलिए वे सृष्टिकर्ता परमेश्वर और उनके पुत्र यीशु की कहानी को "ओंग ट्रोई" के रूप में संदर्भित कर सकते हैं, जो स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माण करने वाली सर्वोच्च ऊंची शक्ति है।

बढ़ती हुए मसीही कलीसियाओ में एक सकारात्मक उन्नति हुई है महिलाओं के बीच चेला बनाना संचलन और यह काफी गावों और शहरों में फैल रहा है।

"

विश्व भर में रह रहे वियतनामी लोग विश्वास में आ रहे है और सुसमाचार को वियतनाम वापिस ला रहे है।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करें कि वियतनामी कलीसिया मसीह में सिद्ध होती चली जाए ताकि पूरा देश मसीह को जान जाए।
- प्रार्थना करें कि मसीही लोग नए–नए और आसान तरीकों से सुसमाचार को बांटे जिसे वियतनामी बौद्ध पूरी तरह से समझ सके और अपना सके।
- प्रार्थना करें कि लोग पूर्वजों की आराधना को छोड़ जीवित परमेश्वर में सत्य को जाने।

5 जनवरी

कंबोडिया

थेरवाड़ा बौद्ध धर्म 15 वीं शताब्दी से कंबोडिया का राष्ट्रीय धर्म रहा है। यहां हर एक गाँव इसका मंदिर है जो हर एक गांववासी चाहे फिर वह कोई गरीब ही क्यों न हो सभी इसको समर्थित और अनुरक्षित रखते है। यह स्थानीय मंदिर अक्सर छोटे और सूखे संरचनाएं होती हैं, जिनमें बुद्ध की प्रतिमा लगभग गठित प्रतिनिधित्व होती हैं।

शहर में मंदिर बड़े अलंकृत हैं, और बुद्ध की प्रभावशाली मूर्तियाँ हैं। लेकिन पूजा अर्चना में कोई बदलाव नहीं है: धूप जलाना, दमन में झुकना, और दुनिया को नियंत्रित करने वाली आत्माओं के असंख्य को शांत करने का प्रयास करना।

इस भक्ति के बावजूद कंबोडियन गरीबी में है और खमेर नरसंहार के तहत अतीत के सामाजिक आघात से पीड़ित हैं। सरकार का आधा पैसा विदेशी सहायता से आता है। शिक्षा के अवसर बहुत सीमित हैं। अपराध बड़े पैमाने पर है, मानव तस्करी, लाभ के लिए अनाथालय, और सेक्स व्यापार व्यापक है।

खुशी और व्यक्तिगत शांति के लिए खमेर भाषा का शब्द सोक है। कंबोडियन आत्माओं को भगाकर और धागे पहनकर सोक को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। यह प्रयास आध्यात्मिक शांति प्रदान नहीं कर सकते, सच्ची शांति केवल जीवित यीशु के साथ रिश्ते के द्वारा मिलती है।

बौद्ध परंपराओं और योग्यता बनाने पर ध्यान देने के बावजूद, कंबोडिया के लोग आध्यात्मिक रूप से खोज कर रहे हैं। यह फसल के स्वामी के लिए एक खुला मैदान है।

> “जो मुझ को पूछते भी न थे वे मेरे खोजी हैं;
> जो मुझे ढूँढ़ते भी न थे उन्होंने मुझे पा लिया,
> और जो जाति मेरी नहीं कहलाई थी, उससे भी मैं कहता हूँ,
> “देख, मैं उपस्थित हूँ।”
>
> यशायाह 65:1

“

हर गाँव में एक मंदिर होता है जिसे समर्थित और बनाए रखा जाता है
गाँव के सभी लोगों द्वारा, यहां तक कि सबसे गरीब भी।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करें कि कंबोडिया में मसीही लोग स्थायी लोगो के खमेर नरसंहार के घावों के विष्य में चंगाई का रास्ता बने।
- प्रार्थना करे कि कंबोडियन बौद्ध लोग जान जाए के मसीह शांति का राजकुमार है और उद्धार का एक मात्र मार्ग वो ही है।
- लाखों बच्चों के छुटकारे और उद्धार के विष्य प्रार्थना करे जो बाल श्रम,मानव तस्करी और सेक्स व्यापार में फसे है।

6 जनवरी

बौद्ध प्रवासी

"जो परदेशी तुम्हारे संग रहे वह तुम्हारे लिये देशी के समान हो, और उससे अपने ही समान प्रेम रखना; क्योंकि तुम भी मिस्र देश में परदेशी थे; मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ।"

लैव्यव्यवस्था 19:34

बौद्ध धर्म के कई अनुयायी गरीबी में रहते हैं। कर्जा भरने के लिए बच्चों को बेचा जाता है, शराब एक आम समस्या है, और जीवन में कुछ अच्छा होने की कोशिश जीवनभर का संघर्ष है।

जब जवान बच्चों को काम या शिक्षा के अतिरिक्त दूसरे देश में जाने का अवसर मिलता है तो जवान इसका फायदा उठाते है। एक और तरीका से वह स्थानांतरित करने में सक्षम होते हैं, जब उनका कोई रिश्तेदार जो पहले से उस जगह में बसा हो वह उनकी वहा बसने में मदद करता है। जवान महिलाएं विदेशी पुरुषों से शादी कर उनके साथ उनके देश में बसने को चली जाती है।

हालांकि जब वह लोग नई जगह पर रहने के लिए आ जाते हैं, पर नए सामाजिक संस्कृति में ढलना उनके लिए काफी मुश्किल होता है। भाषा और रीति–रिवाज अलग होने के कारण अक्सर उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है और वह भेदभाव के भी शिकार होते है।

बौद्ध मंदिर उन्हे कुछ पहले से परिचित रीति–रिवाज प्रदान करता है, लेकिन उनके अकेलेपन और हताशा को दूर करने के लिए भिक्षु उनकी कोई खास मदद नहीं कर पाते।

इनमें से बहुत से लोग आत्मिक चीजों पर चर्चा करने के लिए तैयार है पर कोई उनके साथ बात करने के लिए होना चाहिए।

आप उनके साथ यीशु के सुसमाचार को सुनने के लिए अपने शहर में बौद्ध लोगो से कैसे जुड़ सकते हैं?

"

आप अपने शहर में बौद्ध लोगो से कैसे जुड़ सकते हैं, उन्हें मसीह का सुसमाचार सुनने के लिए?

प्रार्थना विषय:

- प्रार्थना करें कि पश्चिमी देशों के मसीह लोग उनके देश में बसे बुद्ध लोगो के बीच सक्रिय रूप से उनके साथ शांति के राजकुमार के सुसमाचार प्रचार का काम करे।
- प्रार्थना करे के विश्वास में आए बुद्धिस्ट भाई बहन मसीह के सच्चे चेले बने और अपने परिवार वालो के साथ मसीह का प्रचार करे और उन्हे भी मसीह का चेला बनाए।

7 जनवरी

लाओस

"तुम मुझ में बने रहो, और मैं तुम में जैसे डाली यदि दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते।"

यूहन्ना 15:4

70 लाख से अधिक एशियाई भाग में रह रहे बौद्ध लोग आत्माओं को खुश कर उनसे आशिषे, समृद्धि, लाभ लेने के प्रयासों में सक्रिय है। चूंकि अधिकांश आबादी ग्रामीण, कृषि गांवों में रहती हैं, इसलिए वह इन परंपराओं को अंधा धुंध मानते है।

शादियों में आए मेहमान नव विवाहित जोड़े के कलाईयों पर सफेद रंग के धागे बांधते है ताकि बुरी नजर उनसे दूर रहे और और आशिषे उनके मार्ग में आए। जब एक नवजात बच्चा पैदा होता है तो गांव के सब लोग इक्कठे होकर बच्चे के कलाई पर धागे बांधते है ताकि 32 अच्छे निवासी आत्माएं बच्चे के जीवन में आशिषो को लेकर आए। प्रती वर्ष गांव के लोग मंदिर से लोगो के घरों तक धागे की लंबी डोर को बांधने की रीति को करते है।

सरकार के द्वारा सताव के बावजूद लाओस में मसीही कलिसियाएं तेजी से बड़ रही है। लाओस के मसीही नागरिक ही सभी कलिसियाओं का नेतृत्व करते है और सुसमाचार प्रचार का काम भी इन्हीं के द्वारा होता है। "स्वीकृत" लाओ इवेंजेलिकल कलीसिया और गुप्त में रह रही कलिसियाएं इस विकास को बढ़ावा दे रही हैं। पर इन कलिसियाओं में प्रशिक्षित सेवकों की कमी है।

"

सरकार द्वारा सताव के बावजूद, लाओस में मसीही कलिसियाएं तेजी से बड़ रही है।

प्रार्थना विष्य:

- लाओस के गांववासी मुख्य तौर से आदिवासी पृष्ठभूमि से अब 3% मसीही लोग है। प्रार्थना करे के वह लोग बौद्ध भाई—बहनों के बीच सुसमाचार सुनने में और उन्हें चेला बनाने में कामयाब हो।
- प्रार्थना करे के प्रभु वहां के घरों की कलीसियों के सेवको के लिए प्रशिक्षण के लिए रास्तों को खोले।
- प्रार्थना करे के बढ़ते हुए सताव के बावजूद मसीही लोग सब बातो में प्रभु पर भरोसा रखे।

चीन में धर्म की स्थिति

पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना आधिकारिक तौर पर एक नास्तिक राज्य है, लेकिन पांच धर्म हैं जिन्हें सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हैंरू बौद्ध धर्म, ताओवाद, कैथोलिक धर्म, प्रोटेस्टेंट और इस्लाम। हाल के वर्षों में चीन की सांस्कृतिक विरासत के हिस्से के रूप में कन्फ्यूशीवाद और चीनी लोक धर्म की सहिष्णुता बढ़ी है।

जेसुइट मिशनरियों द्वारा 16 वीं शताब्दी में मसीही धर्म को चीन में फिर से प्रस्तुत किया गया था। 1949 में क्रांति के दौरान मसीही मिशनरियों को देश से निष्कासित कर दिया गया था और कलीसियाओं को बंद कर दिया गया था। फिर 1970 के आर्थिक बदलाव में धार्मिक गतिविधियों पर प्रतिबंधों को ढीला कर दिया गया था।

आज 18 वर्ष से अधिक आयु के चीनी नागरिकों को केवल “आधिकारिक तौर पर स्वीकृत” मसीही समूहों में शामिल होने की अनुमति है जो सरकार के साथ पंजीकृत हैं। प्रोटेस्टेंट “थ्री–सेल्फ देशभक्ति आंदोलन” इनमें से एक है।

मसीही लोगो की तेजी से बढ़ोतरी अंडरग्राउंड हाउस चर्च आंदोलन में हो रही है। इन मंडलियों के सदस्यों को चीन में मसीहियो का चुप बहुमत’ माना जाता है।

इस 21 दिन की प्रार्थना गाइड के लिए हम चीन के आठ शहरों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। प्रत्येक शहर में हम एक समूह को केंद्रित कर रहे हैं और आपको इन लोगो के लिए प्रार्थना में मध्यस्थीकरण करने के लिए आमंत्रित कर रहे है। गांव से शहरों में रहने आए लोग अपने घर के प्रांत से गहरा रिश्ता बनाकर रखते है और सालाना एक बार वापिस गांव में आते है।

प्रार्थना करें कि यह शहरी केंद्र “भेजने वाले केंद्र” बन जाए, जो मसीहियो की ऐसी लहर पैदा करे जो सारे देश में जा–जा कर अपने जातिय समुह के लोगो के साथ सुसमाचार प्रचार कर रहे है।

8 जनवरी

बीजिंग

बीजिंग पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की राजधानी है। यह 21 लाख से अधिक निवासियों के साथ दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाली राजधानी है।

हान चीनी लोग

हान चीन के अधिकांश लोगों का प्रतिनिधित्व करता है और कई इंद्रियों में यह तय करता है कि क्या चीनी है और क्या चीनी नहीं है। हान चीन में बहुसंख्यक जातीय समूह है, जो मुख्य भूमि की आबादी का 92% है। वह दुनिया के सबसे बड़े जातीय समूह का भी गठन करते हैं, जिसमें पृथ्वी पर 18% लोग हान हैं।

हान ने अपना नाम हान राजवंश से लिया है, जो चीन को एकजुट करने वाला राजवंश नहीं था, यह राजवंश राजनीति और कला के एक हल्की युग का प्रतिनिधित्व करता था। यह वह राजवंश भी था जिसके दौरान चीन के सबसे प्रभावशाली इतिहासकार और लेखक हुए, एक ऐसा राजवंश जो आने वाले हजारों वर्षों तक साहित्य के माध्यम से जीता रहेगा।

हान लोग धार्मिक परंपराओं की एक विस्तृत विविधता के अनुयायी हैं। कई बौद्ध हैं, अन्य कन्फ्यूशियस का पालन करते है या ताओवादी हैं। हालांकि चीन में कई कैथोलिक और मसीही हैं। हान चीनी आबादी दुनिया भर के 53 देशों में मौजूद हैं।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करे के प्रभु वहां के जातिय समूहों में 50 मसीह को महिमा देने वाले हाउस चर्च स्थापित हो।
- प्रार्थना करे के प्रभु चीनी सांकेतिक भाषा और चीनी जिन्यू में बाइबिल उपलब्ध होने के लिए रास्तों को खोले।
- प्रार्थना करे के बीजिंग के हाउस चर्च के सेवकों में यूहन्ना 17 जैसी एकता पैदा हो और वह उसमे बनी रहे।
- प्रार्थना करे उन करोड़ों ग्रामीण निवासियों के लिए जो बीजिंग जैसे चीन के शहरी केंद्रों में स्थानांतरित हो गए हैं। इनमे से लाखों लोग अपने परिवारों का खर्च नही उठा पाते और उन्हे शहरों में मजबूर होकर बसना पड़ता है बिना सामाजिक सेवाओं या शैक्षिक अवसरों के जो भीड़भाड़ और बेरोजगारी को बढ़ावा देती है।
- प्रार्थना करे कि प्रभु अराजकता और गर्भपात के गढ़ को (चीन में हर साल 13 लाख गर्भपात होते है) खत्म करे।

9 जनवरी

शीनिंग

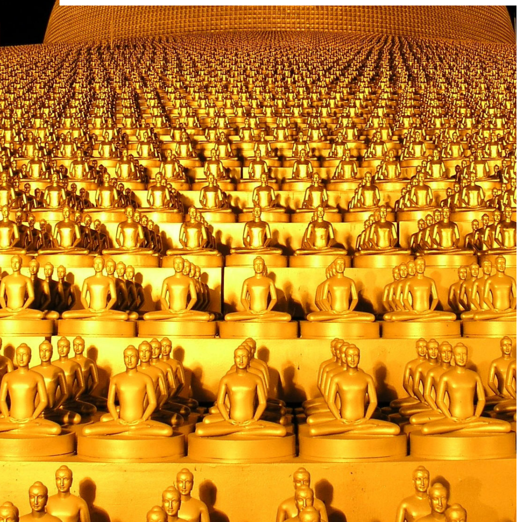

शीनिंग पश्चिमी चीन में किंगई प्रांत की राजधानी है और तिब्बती पठार पर सबसे बड़ा शहर है। इसकी आबादी 16 लाख है।

वुतुन लोग

चीनी सरकार वुतुन को एक अलग जातिय समुह के रूप में नहीं मानती है, लेकिन उन्हें टीयू राष्ट्रीयता के तहत शामिल करती है। वुतुन इस वर्गीकरण का विरोध करते हैं और अपनी खुद के दर्जे पर जोर देते हैं।

तिब्बती बौद्ध धर्म वुतुन के बीच एकमात्र धर्म है। वह लोग कट्टर पंत के हैं। उनकी पूरी जातीय पहचान उनके धर्म से बंधी हुई है। यद्यपि उनके पास अपने मंदिर नहीं हैं, लेकिन टोंग्रेन क्षेत्र में वुतुन के अनेक तिब्बती मंदिर हैं। सभी बौद्धों की तरह, वुतुन का मानना है कि वे मृत्यु के बाद आनंद की स्थिति में समाप्त हो जाएंगे। लेकिन बेहतर और अधिक विशेषाधिकार प्राप्त होने के नाते, उनका मानना है कि वे सीधे वहां जाएंगे, जबकि अन्य बौद्ध कई परीक्षणों और परीक्षण के माध्यम से जाने के बाद ही आत्मज्ञान प्राप्त करते हैं।

वुतुन में काफी कुशल कलाकार हैं। बौद्ध दृश्य और बुद्ध स्वयं चित्र उनके सबसे आम विषय हैं। वह दावा करते हैं कि उनका कलात्मक कौशल वास्तविक है क्योंकि उनके मूल सैनिकों ने नेपाल में इस कला का अध्ययन किया था।

वुतुन को मसीहियत का जरा सा भी ज्ञान नहीं है।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करे के शहर के 10 जातिय समूहों के घरों में 50 बढ़ती हुई छोटी कलीसियाओ की स्थापना हो।
- प्रार्थना करे कि बाईबल तिब्बती, अमदो, तिब्बती खम्स और तू भाषा में उपलब्ध हो।
- प्रार्थना करे के प्रभु 10,000 मिशनरियों को खड़ा करे जो 10/40 खिड़की में जाए और मसीह का प्रचार करे।
- किंगहाई विश्वविद्यालय में जागृति आने के लिए प्रार्थना करें।
- प्रार्थना करे के प्रभु शहर पर तिब्बती बौद्ध धर्म की शक्ति को तोड़ डाले।

10 जनवरी

होहोट

होहोट बितरी मंगोलिया की राजधानी है
जिसमे मेट्रो स्थाई लोग लगभग इकतीस लाख है।

जिन चीनी लोग

जिन हान चीनी आबादी का बड़ा हिस्सा है, लेकिन उनकी "दिल" की भाषा, जीनु उन्हें बाकी लोगो से अलग करती है। ज्यादातर लोग चीन के ऐतिहासिक रूप से माने गए पिछड़े और दूर–दराज के हिस्सों में रहते है। पूरे उत्तरी चीन में कुल 175 शहरों में जिन भाषा बोली जाती है।

पूरे चीन में लगभग 12 लाख जिन विश्वासियो की जनसंख्या है और यह 50 लाख की आबादी में है। एक शहर, हेबेई, जहां 10 लाख से अधिक जिन लोग रहते है, चीन का सबसे मजबूत कैथोलिक भाग है। वहा 800,000 से अधिक कलीसिया के सदस्य है। शांक्सी प्रांत की दो–तिहाई आबादी जिन हैं। हाल ही के शोध में यह बताया गया है के शांक्सी प्रांत में 200,000 प्रोटेस्टेंट हैं।

प्रार्थना करें कि यह विश्वासी लोग वहां के जिन लोगो के बीच मसीह के सुसमाचार प्रचारक बने।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करे के प्रभु इस शहर के चौथे जातिय समुह में 50 बढ़ती हुई घरों में कलीसियाओं की उन्नति करे।
- प्रार्थना करे के प्रभु जीनु भाषा में बाईबल उपलब्ध होने के लिए रास्तों को खोले।
- प्रार्थना करे करे के प्रभु वहा के लोगो को मिशनरियों के रूप में उठने के लिए और भीतरी मंगोलिया में जाकर सुसमाचार का प्रचार करने के लिए रास्तों को खोले।
- प्रार्थना करे के घरो में चल रही कलीसियाओं के लोग छोटे बच्चो को गोद ले। प्रार्थना करे के बाल मिशनरी प्रभु से साहस को पाए और वह किसी भी तरह के मानसिक और आत्मिक कष्ट को अनुभव न करे जैसे जैसे वह प्रभु की योजना के पीछे चलते है।
- प्रार्थना करें कि प्रभु बुद्धिस्म के झाओ मंदिर में स्थित शक्तियों को बांधें और उन पर मसीह की महिमा के सुसमाचार की ज्योति चमकाएं।

11 जनवरी

चेंगदू

चेंगदू दक्षिण –पश्चिमी चीन के सिचुआन प्रांत की राजधानी है। चेंग्दू का इतिहास कम से कम 4 वीं शताब्दी ई.पू. है। यह विशाल पांडा अनुसंधान केंद्र का घर है और इसकी आबादी 1 करोड़ 65 लाख है।

मियांची किआंग लोग

इतिहास के एक समय में किआंग में 62 अद्वितीय जनजातियाँ थीं। इनमें से अधिकांश को बड़े लोगों में आत्मसात कर लिया गया है या यह माना जाता है के यह लोग गायब हो गए थे। "किआंग" नाम का अर्थ है चरवाहे और सदियों से यह बड़ी संख्या में खानाबदोश जनजातियों के लिए एक सामान्य विवरण रहा है।

आज नौ अलग–अलग किआंग भाषाएं और समूह हैं, सभी मुख्य रूप से सिचुआन प्रांत में रहते हैं। 30,000 मियांची किआंग की आबादी के बीच 200 मसीही विश्वासी रहते है। इनमें से कई अपने घरेलू क्षेत्रों में सताव से बचने के लिए वेनचुआन चले गए हैं।

चेंगदू सिचुआन का सबसे बड़ा शहर है, जिसमें किआंग लोग एक दूसरे के साथ सदभावना और आपसी प्यार में रहते है। यह आमतौर पर युवा लोग काम खोजने की उम्मीद में आते हैं ताकि वे पैसे घर भेज सकें।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करे के प्रभु इस शहर के 19 जातिय समुह के बीच 50 आत्मा से भरी कलीसियो को दे और उन्हें बढ़ाए।
- प्रार्थना करे के प्रभु मावो और मियांची किआंग भाषाओं मे बाईबल को उपलब्ध करवाए।
- प्रार्थना करे के प्रभु यहां से 10,000 मिशनरियों को खड़ा कर 10/40 खिड़की में भेजने के लिए रास्तों को खोले।
- प्रार्थना करे के इस शहर में प्रभु बच्चों के बीच एक शक्तिशाली प्रार्थना बेदारी को लाए।
- प्रार्थना करे के प्रभु डर और बहकाने वाली आत्मा को बांधे।

12 जनवरी

वुहान

वुहान हुबेई प्रांत की राजधानी है। यह मध्य चीन की सबसे अधिक आबादी वाला शहर है जिसमें 1 करोड़ 14 लाख से अधिक लोग रहते हैं।

तुजिया लोग

तुजिया, जिनके नाम का अर्थ है ष्मूल निवासीष या “वास्तविक निवासी”, चीन के आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त किए हुए राष्ट्रीयताओं में से एक हैं। 170,000 तुजिया अपनी भाषा बोलने में सक्षम हैं। तीसरी कक्षा तक तुजिया भाषा में शिक्षा आयोजित की जाती हैय उसके बाद, मंदारिन भाषा का उपयोग किया जाता है।

तुजिया नूओ (भूत प्रेत) की रस्मों का पालन करता है। तुजिया फक्सी और नुवा की आत्माओं को बुलाते है – जो चीनी किंवदंती के अनुसार पहले मानव थे। इस समारोह में अलौकिक करतब शामिल हैं जैसे कि तेज चाकू के सीढ़ी पर चढ़ना और गर्म कोयले या कांच पर चलना।

तुजिया बैल की आंख को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक मानते हैं। अन्य सामान्य रूपांकनों में सांप और सफेद बाघ शामिल हैं।

रोमन कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट मिशनरियों ने पहली बार उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में सुसमाचार के साथ तुजिया क्षेत्रों में प्रवेश किया और तुजिया के बीच एक छोटी संख्या के चर्चों, स्कूलों और चिकित्सा क्लीनिकों की स्थापना की। आज यह अनुमान है कि 13,000 और 30,000 तुजिया मसीही लोग है, इतने बड़े समूह के लिए एक छोटा सा अनुपात है।

प्रार्थना विष्य:

- प्राथना करे इस शहर के 5 जातिय समूहों में 50 मसीह के नाम को ऊंचा करने वाली कलीसियाओं को प्रभु दे।
- प्रार्थना करे के प्रभु मियाओ, पश्चिमी जियांग्सी में बाईबल को उपलब्ध करवाए।
- मसीह लोगो के लिए प्रार्थना करें कि वह सुसमाचार के लिए विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा और बाजार के क्षेत्र में प्रभाव डालें।
- वुहान के प्रमुख विश्वविद्यालयों में बेदारी आने के लिए प्रार्थना करें।
- प्रार्थना करे के प्रभु इस शहर के 4 प्रमुख बौद्ध मंदिरों में बौद्ध की शक्ति को बांधे।

13 जनवरी

कुनमिंग

"कुनमिंग, एक आधुनिक राजधानी शहर और चीन के दक्षिणी युन्नान प्रांत का परिवहन केंद्र है। यह अपने लाइमस्टोन पत्थर और अपने बागो के संरचनाओं के साथ–साथ एक बड़ी छात्र आबादी के लिए भी जाना जाता है। यहां की जनसंख्या सत्तर लाख है। यह चीन में सबसे अधिक "रहने योग्य" बड़े शहरों में से एक माना जाता है, जहा रहने लायक मौसम और कोई प्रदूषण नही है।"

लुओलूपो लोग

लुओलूपो नाम का अर्थ लुओलुओपो भाषा में "टाइगर ड्रैगन लोग" है। लगभग 5 लाख लोग इस भाषा को बोलते हैं।

लुओलोपो पहले चंद्र महीने के आठवें से पंद्रहवे दिन के बीच टाइगर त्यौहार को मनाते है। लुओलुओपो का मानना है कि वह शेर के वंशज है। इस त्योहार का हीरो शेर है, जो पोशाक में एक व्यक्ति है, जो खुले मैदान पर नृत्य करने के बाद, एक पहाड़ी भगवान की सवारी करता है, जो समुदाय में प्रत्येक घर पर आशीर्वाद प्रदान करता है।

लोलुओपो युवा शादी से पहले यौन सक्रिय हो जाते है। सभी गांवों में एक "फूल का घर" होता है, जहां युवाओं को अंधेरे के बाद एक साथ आने की अनुमति होती है। इनके यहां पहले बच्चे के जन्म के बाद ही शादी में निष्ठा पर जोर दिया जाता है।

प्रार्थना विषय:

- प्रार्थना करे कि इस शहर के 53 जातिय समूहों में 50 बढ़ती हुए घरों की कलीसियाओं को दे।
- प्रार्थना करे के प्रभु लोलोपो भाषा में बाइबिल उपलब्ध करवाए।
- प्रार्थना करे के प्रभु इस शहर में से 10,000 मिशनरियों को खड़ा करे जो सुसमाचार के प्रचार के लिए 10/40 क्षेत्र के देशों में भेजे जाए।
- प्रार्थना करे के प्रभु इस शहर के बच्चों में बेदारी को लाए।

14 जनवरी

गुआंगजौ

गुआंगजौ पर्ल नदी पर हांगकांग के उत्तर –पश्चिम में एक विशाल बंदरगाह शहर है। यह चीन में सबसे पुराना और सबसे बड़ा व्यापार मेला वार्षिक कैंटन मेले का घर है। 15 करोड़ 50 लाख लोग यहां रहते हैं।

जोमिन लोग

जोमिन बड़े याओ राष्ट्रीयता का हिस्सा हैं और यह 13वीं शताब्दी से गुआंगडोंग प्रांत में रह रहे हैं। लगभग 50,000 लोग हैं जो जोमिन के रूप में पहचान करते हैं। उनकी प्राथमिक भाषा जाओ मिन है।

आज अधिकांश जोमिन एक धार्मिक मिश्रण का पालन करते हैं जिसमें दाविस्ट, एनिमिस्ट और बौद्ध तत्व शामिल हैं। जोमिन का मानना है कि जब वे मर जाते हैं तो उनके नैतिक आचरण का न्याय होना होगा। उनसे कई गाने और मंत्र के लेख पूछे जाएंगे। उनके उत्तर यह निर्धारित करते हैं कि उनकी आत्मा शांति पाने में सक्षम होगी या नहीं।

एक दिलचस्प परंपरा जो ग्रामीण गांवों में बनाए रखी गई है, वह यह है कि महिलाओं को आग जलाने की लकड़ी को इकट्ठा करना होता है। पुरुषों का कहना है कि यह पता लगाने का एक त्वरित तरीका है कि क्या एक महिला को अपने घर के बाहर ईंधन ढेर की जांच करना आता है या नहीं।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करे के इस शहर के 8 जातिय समूहों में से प्रत्येक में 50 चेला प्रशिक्षण घरों की कलीसियाओं के लिए प्रभु रास्तों को खोले।
- प्रार्थना करे के स्थानीय भाषाओं में नए नियम के प्रमुख भागों के चल रहे अनुवाद के कार्य में प्रभु अगुवाई करे और अनुग्रह दे।
- गुआंगजौ में बेहरे लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने दिलों को खोलें और यीशु का अनुसरण करें।
- प्रार्थना करें कि प्रभु येशू इस शहर की अंधियारी जगहों पर अपनी ज्योति को चमकाएं।
- प्रार्थना करें कि परंपरा, धन और झूठे ज्ञान के गढ़ टूट जाए।

15 जनवरी

नाननिंग

वियतनाम सीमा के करीब दक्षिणी चीन का एक शहर नानिंग है, जो गुआंग्शी क्षेत्र की राजधानी है। इसे “ग्रीन सिटी” के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह रसीला उपोष्णकटिबंधीय पत्ते की बहुतायत है। यहां तिहत्तर लाख लोग रहते है।

बनुओ लोग

सदियों से चीनी ने बनुओ लोगो को अनदेखा करना सेहज समझा हैय उन्होंने बूनू लोगो को देख के पहाड़ों में रहने वाले अज्ञानी जाहिल लोग करार दिया है। उन्हें “एक विश्वासघाती और आक्रामक लोगों” के रूप में वर्णित किया गया था।

सिर्फ 23,000 की आबादी के साथ बनू लोग व्यावहारिक रूप से अछुए लोग है, जो भौगोलिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और अलग भाषा के कारण प्रभु के वचन से दूर रहे है। क्योंकि यह लोग आधिकारिक तौर पर चीनी सरकार द्वारा मान्य नहीं हैं, बूनू चीनी और पश्चिमी मसीह लोगो से अज्ञात हैं। गुआंग्शी के हिस्से में मुश्किल से बहुत चंद मसीही लोग है जो बूनू द्वारा बसे हुए हैं।

बनुओ की धार्मिक मान्यताओं में कई अलग–अलग अनुष्ठान शामिल हैं जो डोइज़्म और बौद्ध धर्म से लिए गए हैं। यह अभी ज्ञात नहीं है कि बूनू लोग पैन हू की पूजा करते है, जैसा कि गुआंग्शी में कई अन्य बूनू और याओ समूह करते हैं।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करे के प्रभु इस शहर के प्रत्येक 28 जातिय समुह में 50 बढ़ते हुए घरों की कलीसियाओ को दे।
- प्रार्थना करे के प्रभु बड़े पैमाने पर बाईबल अनुवाद के लिए रास्तों को खोले, 28 में से 17 जातिय समूहो को अभी भी बाइबिल अनुवाद की आवश्यकता है।
- प्रार्थना करे के प्रभु बड़े गुआंग्शी विश्वविद्यालय, मेडिकल स्कूल और कृषि स्कूल में एक बड़ी जागृति को लाए।
- प्रार्थना करे के प्रभु इस शहर के बच्चों में बेदारी को लाए।
- प्रार्थना करे के प्रभु चीनी नव वर्ष के दौरान इस शहर में कटनी के मजदूरों को भेजे।

16 जनवरी

श्रीलंका

“यीशु ने उनकी ओर देखकर कहा, “मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।”

मत्ती 19:26

बौद्ध धर्म तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में श्रीलंका में पहुंचा था। जब भारत के सम्राट अशोक बौद्ध धर्म में परिवर्तित हो गए और उन्होंने मिशनरियों को भेजना शुरू किया था। तब सिंहली वक्ताओं ने इस नए धर्म को अपनाया था, यही बुद्ध की शिक्षाओं को दर्ज करने वाले पहले लोग थे।

सदियों से, जब बौद्ध अभ्यास में काफी वृद्धि हुई, तो सिंहली राजा बर्मा और थाईलैंड में दूतो को भेज उनसे अनुरोध किया के वह बौद्ध की ज्वाला फिर से जलाने के लिए मदद को भेजा करेगे।

ब्रिटिश राज के दौरान, सिंहली बौद्ध बहुसंख्यक और तमिल हिंदू अल्पसंख्यक विदेशी शासन के खिलाफ एकजुट हुए थे। दुर्भाग्य से, 1948 में स्वतंत्रता के बाद, 1956 में एक कानून पारित किया गया जिसमें सिंहला को राष्ट्र भाषा के रूप में मान्यता दे दी गई थी। इसने देश की तमिल हिंदू आबादी (जो तमिल बोलते हैं) के साथ लड़ाई के लिए मंच निर्धारित कर दिया, जो 25 साल के युद्ध में बदल गया, जिसमे लाखो लोग विस्थापित किए गए या मारे गए।

2009 में युद्ध के अंत ने राष्ट्रीय संस्कृति के साथ बौद्ध धर्म को जोड़ दिया जिसके साथ धार्मिक अल्पसंख्यक को सताया जाने लगा जिनमे मसीही लोग भी है।

आज, सिंहली बौद्ध श्रीलंका के 2 करोड़ लोगो है जो उस देश का 70 प्रतिशत हिस्सा है। बुद्धिस्ट लोगो के लिए, येशू को अपनाना पश्चिमी सांस्कृतिक, साम्राज्यवाद और सामाजिक पहचान को भूल जाना है।

“

आज, सिंहली बौद्ध 70 प्रतिशत है श्रीलंका के 2 करोड़ 2 लाख का।

प्रार्थना विषय:

- प्रार्थना करे के मसीही लोग उपयुक्त श्रीलंकाई सांस्कृतिक तरीकों का उपयोग कर सुसमाचार को बांटे जो साम्राज्यवादी रूढ़ीवाद को तोड़ डाले।
- प्रार्थना करे के प्रभु सिंहली बौद्ध समुदायों के बीच नम्रता की आत्मा को उंडेले, ताकि उनके मन आत्मिक सत्य को खोजने लगे और परिवार मसीह के द्वारा पिता के प्रेम को ग्रहण करने लगे।

17 जनवरी

भूटान

भूटान हिमालय में स्थित एक छोटा सा राज्य है। तिब्बती बौद्ध धर्म भूटानी संस्कृति के कण कण में बसा हुआ है। यद्यपि भूटान को पृथ्वी पर सबसे खुशहाल स्थानों में से एक के रूप में माना गया है, तब भी भूटानी लोगों के जीवन भय से भरे हुए है। यह डर स्थानीय देवताओं को खुश करने और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ बुराई को दूर करने में गड़ा हैं। बुजुर्गों को अक्सर ध्यान की स्थिति में पाया जाता है जो प्रार्थना के पहियों को गुमाते है, इस आशा के साथ के मृत्यु के बाद कही उन्हे बेहतर जीवन मिल जाए।

मसीह पर विश्वास करने का मतलब है नौकरी को खो देना, परिवार और दोस्तों द्वारा त्याग दिया जाना। एक “हाउस चर्च” का होना या यहां तक कि यीशु के प्यार के बारे में बताने की लिए दोस्तो के साथ की गई छोटी सी मुलाकात आपको जेल भेज सकती है।

भूटान दुनिया के बाकी हिस्सों से कटा हुआ है न केवल अपने इलाके की भौगोलिक स्थिति के कारण, बल्कि बाहरी लोगों के संदेह के कारण भी अलग–थलग है। यहां एक दिन के वीजा की लागत $250 है और परिदर्शक को हमेशा एक पंजीकृत गाइड के साथ होना अनिवार्य है। किसी मंदिर या अन्य क्षेत्रों का दौरा करने के लिए विशेष परमिट की आवश्यकता होती है।

तिब्बती बौद्धों का उभरता हुआ समूह है जिसमे इस समय 1000 से कम विश्वासी है।

“

तिब्बती बौद्ध धर्म कण कण में बसा हुआ है भूटानी संस्कृति के।

“क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं।”

2 कुरिन्थियों 10:4

प्रार्थना विषय:

- प्रार्थना करें कि यीशु पर विश्वास करने वाले छोटे समुह विश्वास में दृढ़ खड़े रहे और टूटे हुए लोगो के साथ सुसमाचार प्रचार करने में साहसी हो।
- प्रार्थना करे के प्रभु अपनी आत्मा को भूटान पर बहुतायत से बरसाए जिससे लोग मसीह को अपने सपनो में देखने लगे और उनकी आंखें सच को देखने के लिए खुल जाए।
- प्रार्थना करे के प्रभु मौखिक कहानियों और पारंपरिक कला रूपों के माध्यम से सुसमाचार सुनने के लिए रास्तों को खोले क्योंकि यहां अनपढ़ता काफी है और उनकी भाषा में सुसमाचार प्रचार करने के साधन सीमित हैं।

18 जनवरी

नेपाल

बुद्ध का जन्म लम्पिनी, नेपाल में हुआ था। भले ही नेपाल मुख्य रूप बीते समय मे एक हिंदू देश रहा है, लेकिन बुद्ध को शिव और अन्य हिंदू देवताओं के साथ एक समान रूप में सम्मानित किया जाता है।

2008 में जब हिंदू राज लोकतंत्र समर्थक विरोध के बाद समाप्त हो गया तब मसीह प्रचार करने के लिए रास्ते खुल गए। हालांकि, धार्मिक रूपांतरण और “धार्मिक भावना को चोट पहुंचाने” की क्रिया को अपराधीकरण कर दिया गया है। यह कानून विशेष रूप से मसीही मिशनों के विरोध में निर्देशित हैं।

नेपाल के हजारों नेपाली बौद्ध ऊँचे पहाड़ों में रहते हैं। वह एक कठोर जलवायु, सीमित कृषि भूमि और तीव्र गरीबी में रहते हैं। पारंपरिक रूप से परिवारवाले एक बेटे को सेना में भेजते हैं और एक बौद्ध भिक्षु के रूप में सेवा करने के लिए। कुछ बच्चों को बड़े शहरों में चौरिटी स्कूलों में भेजा जाता है। अक्सर एक बेटी को एक “रोजगार दलाल” को बेच दिया जाता है जो वास्तव में उन्हें भारत में सेक्स व्यापार के लिए ले जाता है।

नेपाल में ईसाई धर्म की छवि एक विदेशी और पश्चिमी घुसपैठ के रूप में है जो पारंपरिक संस्कृति और मूल्यों को कमजोर करती है और केवल निचली जातियों के लिए है। इसके बावजूद हम नेपाली मसीहियो के बीच बढ़ती ताकत को देख रहे है जबकि वह पूरी तरह से नेपाली मसीही पहचान में बढ़ रहे है।

कहा जा रहा है, सताव बना हुआ है और बढ़ता जा रहा है। यह धार्मिक बहुमत से आ रहा है, लेकिन सामाजिक रूप से परिवारों और समुदायों की तरफ से भी सताव आ रहा है। विश्वासियों के अनुग्रह और विश्वास में दृढ़ता से बने रहने के लिए प्रार्थना करे और यह कि मसीह लोगो को स्वीकार किया जाए और राष्ट्र की भलाई में उनके योगदान के लिए सराहना की जाए।

“उसी ने हमें अंधकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया, जिसमें हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है।”

कुलुस्सियों 1: 13-14

“

धार्मिक रूपांतरण का कड़ा विरोध और “धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाना”

प्रार्थना विषय:

- नेपाल की क्रिश्चियन सोसाइटी के लिए प्रार्थना करें जो प्रार्थना, साझाकरण, एकता और सहकारी मंत्रालयों के लिए एक मंच प्रदान करना चाहता है।
- प्रार्थना करे के प्रभु नेपाल के पहाड़ों में रह रहे लामाओं और बौद्ध घरों के प्रमुखों को यीशु के सपनो और दर्शनों से भर दे।
- उन मजदूरों के लिए प्रार्थना करें जो पहाड़ों में गाँव से गाँव जाकर, यीशु की कहानियों को पूरे परिवारों में प्रचार करे।

19 जनवरी

अमेरिका

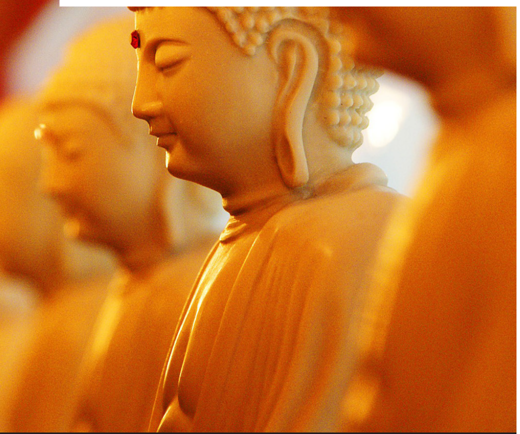

“और बुद्धि की बात ध्यान से सुने, और समझ की बात मन लगाकर सोचेय यदि तू प्रवीणता और समझ के लिये अति यत्न से पुकारे,”

नीतिवचन 2:2-3

क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे विविध बौद्ध शहर लॉस एंजिल्स है? दुनिया में लगभग हर बौद्ध संप्रदाय से 300 मंदिरों और ध्यान केंद्रों के साथ, जो संपूर्ण बौद्ध दुनिया के हर प्रकार के रीति रिवाजो, प्रथाओं को शामिल करता है।

बौद्ध कीचेन, गहने, टी–शर्ट, हार और फोन कवर आसानी से उपलब्ध हैं। आश्चर्य है कि अमेरिका में बौद्ध का पारा कितना व्यापक है? Www-redbubble-com पर आप देख सकते है।

बौद्ध विचारों को अमेरिका और पश्चिमी समाजों में सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाता है, जो शांति, नीरव और ज्ञान की छवियों के माध्यम से है, वो भी अग्रभाग के पीछे विश्वदृष्टि के चर्चा के बिना। इसका एक उदाहरण “दयालु स्कूल” कार्यक्रम है, जो खुद को धर्मनिरपेक्ष के रूप में बढ़ावा देता है, फिर भी तिब्बती बौद्ध अध्ययन के एक प्रोफेसर द्वारा विकसित किया गया था। पाठ्यक्रम “माइंडफुलनेस” और “चिंतन” के दो तिब्बती बौद्ध सिद्धांतों पर आधारित है।

बौद्ध शिक्षाओं को स्टार वार्स, किल बिल और डॉ स्ट्रेंज जैसी फिल्मों में सक्रिय रूप से अपनाया गया है। ऐपल कंपनी के स्टीव जॉब्स जैसे व्यापारिक अगुआ बौद्ध ध्यान को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते थे। स्थानीय उद्यान केंद्र में अक्सर शांति उजागर करने के लिए बुद्ध मूर्ति उपलब्ध होती है।

कॉलेज परिसरों में बौद्ध ध्यान करना लोकप्रिय है। बौद्ध ध्यान में ध्यान केंद्र मन को खाली करने पर है, जबकी मसीही ध्यान करना अपने आप को परमेश्वर के वचनों से भरना है और उसकी सुन्दरता को निहारना है।

> “ऐपल कम्पनी के स्टीव जॉब्स जैसे व्यापारिक अगुआ सक्रिय रूप से बौद्ध ध्यान करने को बढ़ावा देते थे।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करे के प्रभु इनकी आंखों को खोले ताकि वह देखे के बौद्ध धर्म का असली अंत अपने आप का सर्वनाश करना है।
- प्रार्थना करें कि अमेरिकी बौद्ध आशीर्वाद पाने और दुष्टआत्माओं के बंधन से पूरी तरह आजाद हो।
- प्रार्थना करें कि अमेरिका के मसीही बौद्ध दोस्तो, पड़ोसियों के लिए प्रेम, दया और मसीह के सत्य में होकर उनके लिए प्रार्थना में मध्यस्था करे।

20 जनवरी

थाईलैंड

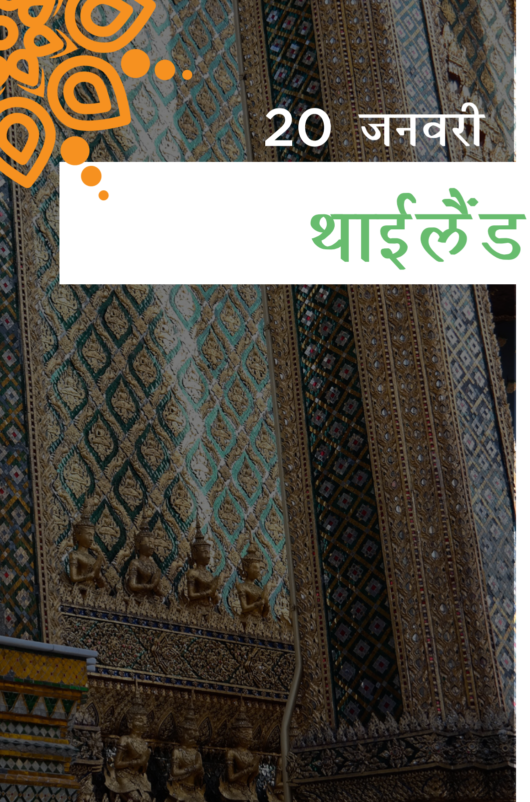

एक "काम करने वाले" धर्म के रूप में, बौद्ध धर्म की कई परंपराएं हैं जिन्हें बौद्ध लोगो को को उनके कर्म पर जय पाने के लिए कहा जाता है। इनमें से प्रमुख हीट सिप्सॉन्ग है, जिसे "12 परंपराओं" के रूप में अनुवादित किया गया है।

इन परंपराओं में से प्रत्येक मासिक चंद्रमा चक्र से जुड़ी है और मंदिर की रीति पर केंद्रित है जिसमें प्रत्येक गाँव के परिवार भाग लेते है। परंपराओं में भिक्षुओं को विशेष चिपचिपे चावल, भिक्षुओं को तपस्या करने के लिए धन, बुद्ध के सबसे बड़े उपदेशों को सुनना, पवित्र जल को डालना और भिक्षुओं को वस्त्र देना जैसी क्रियाएं शामिल हैं।

अधिकांश थाई घर, यहां तक कि शहरी क्षेत्रों में, सरकारी इमारतों और बौद्ध मंदिरों में एक "आत्माओं का घर" बनाया जाता है। यह बेहद ही छोटा सा घर होता है जिससे यार्ड में एक स्तंभ पर खड़ा करते हैं। बौद्ध लोग फल और फूलों के उपहार बनाते है, उन्हें इस घर में लाते हैं, उनके सम्मान के लिए अपने हाथ उठाते हैं, और अपने उपहार को छोटे घर के सामने रखते हैं।

इन क्रियाओं को पिछले महीने के किसी भी बुरे विचारों या कार्यों से बचने के लिए किया जाता है। आत्माओं और बौद्ध धर्म की परंपराओं का सम्मान करके लोगों आशा करते है कि वह आत्मज्ञान की उच्च स्थिति में पुनर्जन्म पाएंगे।

अफसोस की बात यह है कि वह यह मानते हैं कि यह संभव नहीं है इस जीवनकाल में आत्मज्ञान तक पहुंचने के लिए यहां तक कि भिक्षुओं के लिए भी वह यही विश्वास करते है।

"उन लोगों की मूरतें सोने चाँदी ही की तो हैं, वे मनुष्यों के हाथ की बनाई हुई हैं। उनके मुँह तो रहता है परन्तु वे बोल नहीं सकतीय उनके आँखें तो रहती हैं परन्तु वे देख नहीं सकती। उनके कान तो रहते हैं, परन्तु वे सुन नहीं सकतीय उनके नाक तो रहती हैं, परन्तु वे सूँघ नहीं सकती। उनके हाथ तो रहते हैं, परन्तु वे स्पर्श नहीं कर सकतीय उनके पाँव तो रहते हैं, परन्तु वे चल नहीं सकतीय और उनके कण्ठ से कुछ भी शब्द नहीं निकाल सकती। (भज. 135:16,17) जैसी वे हैं वैसे ही उनके बनानेवाले हैं; और उन पर सब भरोसा रखनेवाले भी वैसे ही हो जाएँगे।"

भजन संहिता 115:4-8

"

इनमें से प्रमुख हीट सिप्सॉन्ग है, जिसका अनुवाद किया गया है "12 परंपराएं"में

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करे के प्रभु थाई बौद्धों की आंखों को खोले ताकि वह जान जाए के फल, फूल और चावल उनके मनो को शुद्ध नही कर सकते और न ही वह यह सब कर आशीर्वाद पा कर अपने किए हुए कर्मो को बदल सकते है।
- प्रार्थना करें कि वह जान जाए दुनिया के सच्चे निर्माता को जानेंगे: ""पृथ्वी और जो कुछ उसमें है यहोवा ही का हैय जगत और उसमें निवास करनेवाले भी। ""(भजन संहिता 24:1)
- प्रार्थना करें कि प्रभु पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को प्रभु तोड़े ताकि वह लोग मसीह के अनुग्रह का सच जान जाए।

21 जनवरी

भारत

“चौकस रहो कि कोई तुम्हें उस तत्व–ज्ञान और व्यर्थ धोखे के द्वारा अहेर न कर ले, जो मनुष्यों की परम्पराओं और संसार की आदि शिक्षा के अनुसार है, पर मसीह के अनुसार नहीं।”

कुलुस्सियों 2:8

बुद्धा का जन्म नेपाल में हुआ था, लेकिन उन्होंने भारत में आत्मज्ञान को पाया। हिंदू समाज के कठोर नैतिक मूल्यों के बीच उन्होंने बीच के रास्ते का प्रचार किया। उनका प्रयास था के यह हिंदू धर्म के चरम तपस्वी भाग और अधिक सामान्य प्रथाओं के बीच एक आरामदायक जमीन हो जिसका परिणाम अंत में लालच और शोषण हुआ।

कुछ ने बौद्ध धर्म को हिंदू धर्म का सुधार आंदोलन कहा है। अब, 2600 साल बाद, भारत में हिंदू बौद्ध की शिक्षा से आकर्षित हो रहे है और फिर से बौद्ध धर्म में परिवर्तित हो रहे हैं। यह जाति व्यवस्था के कारण हुआ है जो अभी भी समाज को नियंत्रित कर रही है।

दलितों/बहूजन/अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातिय इस देश की 25% आबादी है। इन समूहों को जाति व्यवस्था के कारण हजारों वर्षों से सताया गया है।

“महिलाएं और बच्चे इनमे सबसे अधिक पीड़ित हैं। अनुमान है कि 3 करोड़ 50 लाख बच्चे अनाथ हैं, 1 करोड़ 10 लाख त्यागे हुए है, परित्यक्त हैं (इनमें से 90% लड़कियां हैं), और 30 लाख लोग सड़कों पर रहते हैं।”

भारत में चर्च अत्यधिक विविध है। रूढ़िवादी कलिसियाएं प्रेरित थॉमस में अपनी कलिसियाओं की शुरुवात को मानते है। कैथोलिक 2 करोड़ विश्वासियों के साथ भारत में सबसे बड़े समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं और गरीबों के बीच उनके काम के लिए सम्मानित किए गए हैं। पिछले 15 साल में मसीह प्रचारक और पेंटेकोस्टल संप्रदायों ने विस्फोटक वृद्धि दिखाई है।

हाल के वर्षों में मसीही कलीसियो का उत्पीड़न लगातार बढ़ रहा है। भारत के कुछ हिस्सों में हिंदू लोगो की भीड़ ने चर्चों को जला दिया और मसीह लोगो को मार डाला। ऐसा माना गया है कि 80% विश्वासी निचली जातियों से हैं।

“

अब, 2600+ साल बाद, भारत में हिंदू लोग बुद्ध को शिक्षा की तरफ आकर्षित हो रही है और फिर से बौद्ध धर्म में परिवर्तित हो रही हैं।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करें कि प्रभु दलितों और अन्य शनिचली जातियोंश को यह प्रकाशन दे कि यीशु सभी लोगों को स्वीकार करता है।
- प्रार्थना करे के प्रभु कलीसियाओ के अगूओ को, खासतौर से गांव के रहने वाले अगुओ को हिंदू लोगो के द्वारा किए गए विरोध में खड़ा रखे।
- वहा के सेवक, मसीह शिक्षक, सुसमाचार प्रचारक और मिशनरियों के प्रशिक्षण के लिए प्रार्थना करे।

22 जनवरी

फसल के स्वामी से प्रार्थना करे!

यीशु अपने शिष्यों की तुलना में एक बेहतर शिक्षक थे। तो फिर उन्होंने 72 चेलो को क्यों भेजा? मजदूरों की कमी के लिए उनका समाधान यह नहीं था कि भीड़ को प्रचार करने के लिए आकर्षित किया जाए पर बल्कि उन कर्मियो को खड़ा करना था जो व्यक्तिगत रूप से उन लोगों के प्रभु के समीप लाए जो उससे दूर है।

उत्तर–पूर्व थाईलैंड में, मसीही लोगो ने लगभग तीन दशक तक सभाएं की हैं। इसका परिणाम हजारों लोगो का "मसीह के लिए हाथ उठाना" रहा है, पर कुछ सौ लोग ही सच्चे मसीही चेला बने। 2018 में, इसके विपरीत, साधारण चर्च के सदस्यों की 14 मंत्रालय के समूह नियमित रूप से प्रार्थना के लिए बाहर जाने लगे, अपनी गवाही साझा करने लगे और सरल तरीके से यीशु के बारे में प्रस्तुति देने लगे। 2019 के मध्य तक इन टीमों ने 35 नए शिष्यत्व समूहों की शुरुआत की, जिसमें 240 नए शिष्य नियमित रूप से भाग लेने लगे।

मध्य थाईलैंड में मसीहियो का एक दूसरा समूह यीशु के बारे में घर घर जाकर प्रचार करने लगा। एक ही गाँव के इच्छुक लोगों को एक समूह के रूप में सुसमाचार सुनने के लिए आमंत्रित किया गया और जिन्होंने यीशु को स्वीकार किया उन्हे विश्वासी समुदाय बना दिया गया, जो उस गाँव में मिलते थे। 2019 के मध्य तक उन्होंने 423 आम गांव के चर्च स्थापित किए।

एशिया में अधिकांश बौद्ध लोग ग्रामीण समाजों में रहते हैं जो मजबूत सामुदायिक गुट में है। आशीर्वाद केवल एक व्यक्ति पर भगवान कृपा नही पर सब परिवारों और गांव वासियों के ऊपर कृपा होनी चाहिए।

"और उसने उनसे कहा, "पके खेत बहुत हैं: परन्तु मजदूर थोड़े हैं इसलिए खेत के स्वामी से विनती करो, कि वह अपने खेत काटने को मजदूर भेज दे।"

लूका 10:1-2

"

आज, सिंहली बौद्ध
70 प्रतिशत
श्रीलंका के 2 करोड़
लोग है।

प्रार्थना विष्य:

- प्रार्थना करें कि बौद्ध विश्वासी लोग केवल प्रसिद्ध प्रचारकों या ट्रैक्ट्स बांटने पर भरोसा न रखे, लेकिन व्यक्तिगत रूप से पड़ोसियों और दोस्तों के साथ यीशु की अपनी गवाही साझा करे। प्रार्थना करे के प्रभु उन्हे बाईबल के वचनो के द्वारा भीतर से उन्हे बलवंत करे और उनसे बात करे के वह अपने जातिय लोगो के बीच मसीही गवाह बने।
- प्रार्थना करे के नए विश्वासियों और निकट–पड़ोसी विश्वासी पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो और साहस के साथ सत्य का प्रचार करे। प्रार्थना करे के वह मसीह चेला समुह शुरू करे और जो बाहर जा कर मसीह का प्रचार करे वह भी खुद के मसीह चेला समुह बनाए।

प्रार्थना
वचनों के साथ

इन 21 दिन की प्रार्थना में हम दुनिया भर के मसीहियो के साथ जुड़े है, सब एक साथ, एक ही समय पर, एक ही जगह और एक ही लोगों के ऊपर ध्यान देना के लिए। हम आप सब को उत्साहित करते हैं कि आप रुके नहीं पर आगे बढ़ते जाएं। इस गाइड में लिखी हुई बातों को पूरा साल इस्तेमाल में लाए।

नीचे दिए गए वचन आप बौद्ध दुनिया के लोगो और उनकी जरूरतों के लिए प्रार्थना करने मे इस्तेमाल कर सकते हैं। परमेश्वर का वचन शक्तिशाली और प्रभावशाली है। यीशु मसीह, परमेश्वर का जीवित वचन है उसने अपनी शब्द की ताकत से सारे ब्रह्मांड की रचना की। हम आपको उत्साहित करते हैं कि आप इन वचनों को प्रार्थना में इस्तेमाल करें।

"और वे यह नया गीत गाने लगे, "तू इस पुस्तक के लेने, और उसकी मुहरें खोलने के योग्य हैय क्योंकि तूने वध होकर अपने लहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया है।" और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिये एक राज्य और याजक बनायाय और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं।"
(प्रकाशितवाक्य 5:9-10)

प्रार्थना करें कि वध हुए मेमने, येशू मसीह को हर जाति, भाषा, लोगों के समूह और सारे देशों की आराधना की महिमा मिले।

"क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तो भी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते। क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊँची बात को, जो परमेश्वर की पहचान के विरोध में उठती है, खण्डन करते हैंय और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।"
(2 कुरिन्थियों 10:3-5)

प्रभु से प्रार्थना करें कि वह बौद्ध धर्म के तले लोगों के ऊपर से हर तरह के बंधनों को तोड़ डाले और उन्हें आजाद करें मसीह यीशु के नाम से जो मार्ग, सत्य और जीवन है।

"यीशु ने उसको उत्तर दिया, "परमेश्वर पर विश्वास रखो। मैं तुम से सच कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, 'तू उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़,' और अपने मन में सन्देह न करे, वरन् विश्वास करे, कि जो कहता हूँ वह हो जाएगा, तो उसके लिये वही होगा। इसलिए मैं तुम से कहता हूँ, कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो तो विश्वास कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा।"
(मरकुस 11:22-24)

प्रार्थना करे के प्रभु लोगो में महान विश्वास को पैदा करे ताकि वह विश्वास में असंभव बातो को प्रभु से मांगे जिससे मसीही आंदोलन प्रत्येक जातिय और बौद्ध दुनिया के हर एक वर्ग में पहुंच जाए।

प्रार्थना
वचनों के साथ

"तुम में से कौन है कि गढ़ बनाना चाहता हो, और पहले बैठकर खर्च न जोड़े, कि पूरा करने की सामर्थ्य मेरे पास है कि नहीं?"
(लूका 14:28)

प्रार्थना करे के प्रभु मसीही लोगों को अपनी आंखो से बौद्ध धर्म की बड़ी तस्वीर देखने में मदद करें ताकि वह उन जगहों को देख सके जहां उसके सेवक और साधनों की जरूरत है।

प्रार्थना करे की मसीह की देह, मसीह के तरीकों से सेवको और साधनों को वहा भेजना शुरू करे जहा प्रभु उनकी अगवाई कर रहा है। प्रार्थना करें कि वध हुए मेमने, येशू मसीह को हर जाति, भाषा, लोगों के समूह और सारे देशों की आराधना की महिमा मिले।

"जिस किसी घर में जाओ, पहले कहो, 'इस घर पर कल्याण हो।' यदि वहाँ कोई कल्याण के योग्य होगा; तो तुम्हारा कल्याण उस पर ठहरेगा, नहीं तो तुम्हारे पास लौट आएगा। उसी घर में रहो, और जो कुछ उनसे मिले, वही खाओ–पीओ, क्योंकि मजदूर को अपनी मजदूरी मिलनी चाहिए; घर–घर न फिरना।"
(ल्यूक 10:5-7)

विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें के प्रभु उन्हे परखने वाला मन दे ताकि वह जान जाए के कौन मसीह को ग्रहण करने के लिए तैयार है।

प्रार्थना करे के विश्वासी लोग अपने परिवारों में, आस पड़ोस में, गांव में मसीह के नाम का प्रचार करे और उन्हें चेला बनाए, और फिर यह चेले दूसरो को चेला बनाए।

"यहोवा की बाट जोहता रहय हियाव बाँध और तेरा हृदय दृढ़ रहेय हाँ, यहोवा ही की बाट जोहता रह!"
(भजन 27:14)

प्रार्थना करे के प्रभु बौद्ध दुनिया में सुसमाचार प्रचार करने वाले विश्वासियो को हर तरह की कठिनाई, तनाव, उत्पीड़न और पीड़ा का सामना करने की शक्ति को पाए।

"जो अच्छी भूमि में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनकर समझता है, और फल लाता है कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना।"
(मत्ती 13:23)

प्रार्थना करे कि मसीही लोग हर एक अवसर को हर जगह सुसमाचार प्रचार करने के लिए इस्तेमाल करे।

प्रार्थना करे के वह लोग मसीह का प्रचार ऐसे तरीको से करे जिसे लोग समझ पाए और मसीह को अपना पाए।

"और उन्होंने निकलकर हर जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा और उन चिन्हों के द्वारा जो साथ–साथ होते थे, वचन को दृढ़ करता रहा। आमीन।"
(मार्क 16:20)

प्रभु की स्तुति करे कि वह उसके नाम से चिन्ह और चमत्कारों का वादा करता है।

प्रार्थना करे के मसीही लोग बिना संदेह के प्रभु से चमत्कारों की अपेक्षा करे जब वह बुद्धिस्ट लोगो में मसीह के नाम का प्रचार और उनके लिए प्रार्थना कर रहे हो।

"और वह आराधनालय में जाकर तीन महीने तक निडर होकर बोलता रहा, और परमेश्वर के राज्य के विषय में विवाद करता और समझाता रहा। परन्तु जब कुछ लोगों ने कठोर होकर उसकी नहीं मानी वरन् लोगों के सामने इस पंथ को बुरा कहने लगे, तो उसने उनको छोड़कर चेलों को अलग कर लिया, और प्रतिदिन तुरन्नुस की पाठशाला में वाद–विवाद किया करता था। दो वर्ष तक यही होता रहा, यहाँ तक कि आसिया के रहनेवाले क्या यहूदी, क्या यूनानी सब ने प्रभु का वचन सुन लिया।"
(प्रेरितों के काम 19:8-10)

प्रार्थना करे कि मसीही संगतिया ओर भी गहरे तरह से बढ़ती जाए और उन्नती करती जाए और यह नई संगतियां आस पड़ोस के जातिय समुहो और दूसरे सांस्कृतिक जगहों में भी बढ़ने लगे ताकि सब लोग मसीह के बारे में जान जाए और मसीह को स्वीकार करने का मौका उन्हें मिले।

प्रार्थना करने के तरीके वचनों के साथ

"इसलिए न बटुआ, न झोली, न जूते लोय और न मार्ग में किसी को नमस्कार करो।"
(लूका 10:4)

प्रार्थना करें कि विश्वासी लोग जो बौद्ध लोगो के साथ सुसमाचार प्रचार कर रहे है प्रभु उनकी सब जरूरतों को पूरा करे।

प्रार्थना करे कि प्रभु विश्वासियों में प्रार्थना करने की गंभीर इच्छा को पैदा करे, और वह मसीह का प्रचार करे और मसीह समूहों का शुरू होना और उससे बढ़ने में हर प्रकार के बलिदान के लिए तैयार रहे।

"कोई तेरी जवानी को तुच्छ न समझने पाएय पर वचन, चाल चलन, प्रेम, विश्वास, और पवित्रता में विश्वासियों के लिये आदर्श बन जा।"
(1 तीमुथियुस 4:12)

प्रार्थना करे के हर उम्र के पुरुष और महिलाएं मसीह के सच्चे चेले बने और फलवंत चेले के रूप में बढ़ते हुए दूसरो को फलवंत चेला बनाने के लिए तत्पर हो।

"तुम मुझ में बने रहो, और मैं तुम में जैसे डाली यदि दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते।"
(यूहन्ना 15:4)

पिता से प्रार्थना करे कि हर एक विश्वासी का रिश्ता प्रभु के साथ इतना गहरा हो के वह प्रभु की महिमा के लिए बेहद फल लाए।

"हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूँय परन्तु केवल यह एक काम करता हूँ, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उनको भूलकर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ, निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ, ताकि वह इनाम पाऊँ, जिसके लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।"
(फिलिप्पियों 3:3-14)

प्रभु से प्रार्थना करे के हर एक विश्वासी जैसे जैसे हर दिन प्रभु की आवाज सुने वैसे ही वह प्रभु में निरंतर बढ़ते चले जाए, उसके अधीन हो, और विश्वस्योग्य बने रह कर दूसरो के साथ लगातार मसीह का प्रचार करे।

"क्योंकि राज्य और पराक्रम और महिमा सदा तेरे ही हैं। आमीन।"
(मत्ती 6:13)

प्रार्थना करें कि हर व्यक्ति और हर जगह जो अब बौद्ध धर्म के प्रभाव में है, वह पूरी तरह प्रभु के राज्य को अनुभव करे, यीशु की शक्ति और महिमा, उसकी धार्मिकता और पवित्र आत्मा की शांति और आनंद।

"और मेल के बन्धन में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो।"
(इफिसियों 4:3)

प्रार्थना करे के प्रभु मसीह की देह को एक जुट हो कर काम करने में मदद करे जैसे के वह और पिता एक है।

21 दिन
बौद्ध प्रार्थना मार्गदर्शिका

रन मंत्रालयों द्वारा वितरित किया जाता है

अप्राप्य राष्ट्रों तक पहुंचना एक यूएसए पंजीकृत 501 (सी) 3 कर–कटौती योग्य संगठन है। एक इंटरडेनोमिनेशनल मिशन, स्नेंददम वाचा की सदस्यता लेता है और महान आयोग को पूरा करने में मदद करने के लिए दुनिया भर के ईसाइयों के साथ सहयोग करता है।

www.runministries.org

P.O. Box 6543, Virginia Beach, VA 23456